ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
उद्यानिकी और वानिकी विश्वविद्यालय के डॉ। वाई.एस.
नौनी सोलन, हिमाचल प्रदेश

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 04-09-2025

सोलान(हिमाचल प्रदेश) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2025-09-04 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2025-09-05	2025-09-06	2025-09-07	2025-09-08	2025-09-09
वर्षा (मिमी)	5.0	5.0	6.0	5.0	5.0
अधिकतम तापमान(से.)	24.0	27.0	27.0	28.0	29.0
न्यूनतम तापमान(से.)	18.0	19.0	19.0	20.0	20.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	92	90	93	91	90
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	82	80	81	81	80
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	6	5	3	3	3
पवन दिशा (डिग्री)	66	81	72	72	360
क्लाउड कवर (ओक्टा)	7	7	7	7	7
चेतावनी	आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि	आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं

पूर्वानुमान सारांश:

अगले पाँच दिनों तक मौसम परिवर्तनशील रहेगा। 5 से 8 सितंबर, 2025 तक जिले के कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 24.0-29.0ºC और 18.0-20.0ºC के बीच रहेगा। हवा की गति उत्तर-पूर्व दिशा में 2.5-6.3 किमी प्रति घंटा रहेगी। सापेक्ष आर्द्रता 80-93 प्रतिशत के बीच रहेगी।

मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

 4 & 5 सितम्बर, 2025 को जिले के कुछ स्थानों पर आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना जताई गई है।

मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

आंधी–तूफ़ान और बिजली गिरने के समय खेतों में काम करने से बचें। तूफ़ान के दौरान ऊँचे पेड़ों से दूर रहें। पशुओं को सुरक्षित स्थान पर रखें और उन्हें पेड़ों या खुले शेड के नीचे न बाँधें। बिजली गिरने की स्थिति में धातु की वस्तुओं या उपकरणों के सीधे संपर्क से बचें।

सामान्य सलाहकार:

 उचित वायु संचार के लिए बागों को खरपतवारों और झाड़ियों से मुक्त रखें। रोगग्रस्त एवं कीट-ग्रस्त फल और टहनियों को हटा दें, ताकि रोग का प्रसार रोका जा सके। पशुओं को सूखे आश्रयों में रखें और उन्हें स्वच्छ पेयजल

उपलब्ध कराएँ। □ भारी वर्षा के दौरान बाढ़ के खतरे से बचने के लिए नदियों, नालों और बाढ़ संभावित क्षेत्रों से दुरी बनाए रखें । □ जल निकासी मार्गों से समय-समय पर मलबा और अवरोध हटाएँ, ताकि वर्षा जल का बहाव सुचारू बना रहे।

लघु संदेश सलाहकार:

□ साफ मौसम के दौरान हाथ से निराई और मिट्टी चढ़ाने जैसे अंतर-सांस्कृतिक कार्यों की सलाह दी जाती है।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
सेब	□ गिरे हुए और रोगग्रस्त फलों को एकत्र कर नष्ट करें, ताकि रोग के फैलाव को रोका जा सके।
टमाटर	□ परिपक्व फलों की समय पर तोड़ाई करें । □ फसल में बकआई रॉट एवं झुलसा रोग की नियमित निगरानी करें। रोगग्रस्त पौधों अथवा उनके भागों को तुरंत खेत से निकालकर गहराई में दबा दें, ताकि रोग का प्रसार रोका जा सके। □ फल छेदक कीट को नियंत्रित करने के लिए, संक्रमित फलों को नियमित रूप से हाथ से तोड़ कर उनका उचित निपटान करें ।
अदरक	□ फसल पर कंद गलन की निगरानी रखें। पौधे से पीले और रोगग्रस्त पत्तियाँ को हटाकर मिट्टी में दबा दें। □ खेतों में उठी हुई क्यारी या रेज्ड बेड का अनुरक्षण करें ।
खीरा	□ कद्दूवर्गीय फसलों में कीटों के आक्रमण का निरीक्षण करें तथा बेलों को ऊपर उठाने के लिए सहारा (स्टेकिंग) प्रदान करें। □ फल मक्खी के आक्रमण से फसलों की निगरानी करें, फल मक्खी के नियंत्रण के लिए प्रति 2 बीघा की दर से फेरोमोन जाल का प्रयोग करें।
अरबी	□ झुलसा रोग के नियंत्रण के लिए, निचली पत्तियों और रोगग्रस्त पत्तियों को हटाकर मिट्टी में दबा दें। रोग को फैलने से रोकने के लिए खरपतवार हटाकर खेत को साफ-सुथरा रखें।
भिण्डी	□ सर्वोत्तम गुणवत्ता और मूल्य सुनिश्चित करने के लिए फलियों की तुड़ाई तब करें जब वे कोमल, हरी हों, तथा बीज पूरी तरह विकसित होने से पहले ही कर लें।
शिमला मिर्च	□ पके हुए फलों की समय पर तुड़ाई करें । □ नम मिट्टी और लगातार बादल छाए रहने की स्थिति में जड़ सड़न व तना सड़न रोग की संभावना बढ़ जाती है।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	□ शेड के आसपास पानी जमा होने से बचाएँ, ताकि कीट-पतंगों की वृद्धि न हो और उनसे फैलने वाली बीमारियों से सुरक्षा मिल सके। □ किसानों को सलाह दी जाती है कि मानसून के साथ होने वाली खुरपका-मुंहपका (एफ.एम.डी.) और ब्लैक क्वार्टर (बी.क्यू.) जैसी बीमारियों से पशुओं को बचाने के लिए समय पर टीकाकरण अवश्य कराएं। □ पशुओं के स्वास्थ्य के लिए चारे एवं बिछौना सामग्री को हमेशा सूखा और साफ रखें।

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
पौध - संरक्षण	□ प्राकृतिक खेती करने वाले किसान साफ मौसम की स्थिति के दौरान अग्निअस्त्र, ब्रह्मास्त्र और नीमास्त्र तथा दशपर्णी अर्क का साप्ताहिक अंतराल पर 3.0 प्रतिशत और जीवामृत का नियमित अंतराल पर 10.0 प्रतिशत का छिड़काव करके कीटों के हमले को नियंत्रित कर सकते हैं।

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

□ आर्द्रता में वृद्धि और पत्तियों के लंबे समय तक गीले रहने की स्थिति फफूंद और जीवाणु रोगों के विकास के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करती है, जिससे जड़ सड़न, झुलसा रोग तथा पत्तों पर धब्बे पड़ने जैसी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं।

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

 किसानों को सलाह दी जाती है कि वे खेतों से मेड़ों पर उगे खरपतवार और झाड़ियों को हटाकर वायु संचार में सुधार करें। रोग के प्रसार को रोकने के लिए संक्रमित फलों और टहनियों की तोड़ाई करें (मिट्टी में दबा दें)।

Farmers are advised to download Unified ‘Mausam’ and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android application for forecast of Thunderstorm and lightening.

Mausam MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details/

Meghdoot MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details

Damini MobileApp link : https://play.google.com/store/apps/details